आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-23, भोपाल, सोमवार, 03 जुलाई से 09 जुलाई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

विपक्ष ने उपराष्ट्रपति पद के लिए गोपाल कृष्ण गांधी के नाम पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार तय करने के मकसद से आज विपक्षी दलों की बैठक हुई. उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष गोपाल कृष्ण गांधी के नाम पर सहमत हो गया है. चुनाव लड़ने के लिए विपक्ष जल्द की उनसे अपील करेगा. कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुवाई में हो रही इस बैठक में जेडीयू, आरजेडी, टीएमसी, सपा, बसपा समेत 18 दलों के नुमाइंदे शामिल थे. राष्ट्रपति चुनाव में अलग राह अपनाने वाली जेडीयू भी इस बार विपक्ष के साझा उम्मीदवार के साथ खड़ी दिख रही हैं. शरद यादव बैठक में पहुंचे हैं. बता दें कि इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष की तरफ से गोपाल कृष्ण गांधी को उतारने की बातें सामने आ रही थीं, लेकिन बाद में मीरा कुमार के नाम पर मुहर लगी। गोपालकृष्ण गांधी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रह चुके हैं. वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते हैं. विपक्ष की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, सपा की ओर से नरेश अग्रवाल, बसपा की ओर से सतीश मिश्रा, नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, जदयू की ओर से शरद यादव मौजूद थे।

खराब भोजन के मामले में HC ने खारिज की याचिका, जवान को संरक्षण देने का आदेश

दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सैनिकों को खराब भोजन परोसे जाने से संबंधित सेना के एक जवान की शिकायत मंगलावार को खारिज कर दी. लेकिन केंद्र सरकार और सेना को जवान के लिए पूरी तरह संरक्षण प्रदान करने का आदेश दिया है. न्यायमूर्ति विनोद गोयल ने जवान की एक याचिका को निपटाते हुए यह निर्देश जारी किया जिसमें खाने की गुणवत्ता से संबंधित उसकी एक शिकायत की वजह से उसे जान का खतरा होने की आशंका जताई गयी है. हाई कोर्ट ने भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जवान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उग्रवाद निरोधक अभियानों के दौरान शिविरों में सेना के अफसर और जवान एक ही खाना खाते हैं, इसलिए यह पूरी तरह असंभव है कि खराब खाना परोसने दिया जाएगा. कोर्ट ने कहा कि अगर खराब खाना बनाया या परोसा जा रहा होता तो जवान को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने इस मामले को लाना चाहिए था जहां वह तैनात था।

बजट: योगी सरकार का किसानों की कर्ज माफी पर फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने आज विधानमंडल के मानसून सत्र में अपना पहला बजट पेश किया। विधान भवन में सरकार ने कुल तीन लाख 84 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें 36 हजार करोड़ रुपया किसानों की कर्ज माफी के लिए रखा गया है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के बजट सत्र के पहले दिन के पहले सत्र की कार्यवाही शुरू होते ही आज विपक्ष ने एकजुट होकर हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा व विधान परिषद की कार्यवाही पहले सत्र में बाधित होने के बाद वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2017-18 का बजट पेश किया। वित्त मंत्री सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ आए थे।वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने योगी आदित्यनाथ सरकार के पहले बजट को विधानसभा में पेश किया। 3.84 लाख करोड़ का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में प्रदेश की विकास दर 10 प्रतिशत हो। राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश का वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए 3 लाख 84 हजार 659 करोड़ का बजट है।

अनंतनाग में अमरनाथ यात्रियों पर आतंकी हमला

नई दिल्ली। कश्मीर में आतंकवादियों ने अमरनाथ यात्रियों पर हमला किया है. हमले में सात लोगों की मौत हो गई है और 19 जख्मी हुए हैं. आतंकियों ने यात्रियों पर ही हमला नहीं किया बल्कि पुलिस पार्टी को भी निशाना बनाया. आतंकियों ने ये हमला रात 8:20 पर किया. आतंकी मोटरसाइकिल पर सवार थे. अनंतनाग से आगे बंटगू पर श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर आतंकियों ने पुलिस दल पर घात लगाकर अंधाधुध फायरिंग की. दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 5 लोगों की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई. स के बारे में सुरक्षाबलों ने कहा कि वह काफिले का हिस्सा नहीं थी और न ही अमरनाथ श्राइन बोर्ड में उसका रजिस्ट्रेशन हुआ था. इस वजह ये आतंकियों का आसान निशाना बने. सुरक्षाबलों का कहना है कि हमारे काफिले के साथ जो भी बस या ट्रक में यात्री होते हैं, उनकी सुरक्षा पुख्ता होती है. हमारी कोशिश होती है कि सुबह छह बजे बालटाल से वो निकल जाए और दोपहर 12 बजे तक जवाहर टनल को पार कर लें यानी जम्मू इलाके में दाखिल हो जाएं. पुलिस के मुताबिक बस सोनमार्ग बालटाल से आ रही थी. तीर्थयात्री दर्शन करके वापस घर लौट रहे थे. पुलिस ने दावा किया है कि बस ड्राइवर ने नियमों का उल्लंघन किया. नियमानुसार शाम 7 बजे के बाद किसी भी यात्रा वाहन को हाईवे पर जाने की अनुमति नहीं है.

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट कर इस हमले की निंदा की. उन्होंने इसे बेहद दुखदाई समाचार बताते हुए कहा कि 'इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है, पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी सहानुभूति है और घायलों के लिए मैं दुआ करता हूं.' जम्मू-कश्मीर के मंत्री नईम अख्तर ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा, यह कश्मीर के इतिहास पर लगा काला धब्बा है. ऐसा पहली बार हुआ है जब यात्रियों को निशाना बनाया गया है. आतंक के खिलाफ अभियान जारी रहेगा. पवित्र अमरनाथ यात्रा की शुरुआत कड़ी सुरक्षा के बीच 29 जून को पहलगाम और बालटाल दोनों ही रोस्तों से हुई थी. उत्तरी कश्मीर के बालटाल कैंप के रास्ते से अमरनाथ गुफा की ओर जाने के लिए 6000 से ज्यादा श्रद्धालुओं को इजाजत दी गई थी जबकि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के परंपरागत रास्ते से करीब 5000 यात्री गुफा की ओर चले थे. इस वर्ष करीब 1.2 लाख श्रद्धालुओं ने इस यात्र के लिए पंजीकरण कराया है. 45 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा के लिए सुरक्षा के इंतजाम के तहत सैटेलाइट ट्रैकिंग सिस्टम, ड्रोन का इस्तेमाल, मोबाइल बंकर वाहन और रोड ओपनिंग पार्टी की जम्मू से पहलगाम और बालटाल जाने वाले पूरे रास्ते के लिए व्यवस्था है. आपको ये बता दें कि सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही अमरनाथ यात्रा पर आतंकी खतरे को लेकर आगाह किया था. पिछले साल हिज्बुल कमांडर बुरहान वानी के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद से ही घाटी में हालात खराब हैं. इसी साल अमरनाथ यात्रा के दौरान वानी की पहली बरसी भी पड़ी थी. खुफिया रिपोर्ट्स के बाद अमरनाथ यात्रा की जबरदस्त सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं. सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 80 हजार जवानों को यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है बावजूद आतंकी हमला करने में सफल हो गए. ये सुरक्षाबलों के लिए बड़ी चुनौती है क्योंकि अभी यात्रा खत्म नहीं हुई है.

अमरनाथ हमला: मोदी की सर्वत्र निंदा, बाल ठाकरे याद किए गए

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रियों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद बीजेपी और मोदी सरकार बैकफुट पर है जबकि मोदी समर्थक एवं कट्टरहिंदू समाज ही मोदी के खिलाफ बयानी कर रहा है। हालांकि कांग्रेस इस मुद्दे पर देश की आवाज का साथ नहीं दे पा रही है लेकिन सोशल मीडिया पर लोग जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। इसके साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को याद किया जा रहा है जिन्होंने ऐलान किया था कि यदि अमरनाथ यात्रा में एक भी गोली चली तो मुंबई से हज के लिए कोई मुसलमान उड़ान नहीं भर पाएगा। अमरनाथ यात्रा ने भारत के हिंदू समाज को हिलाकर रख दिया है। कुछ नेता भाजपा की प्रतिबद्धता के कारण चुप हैं तो कई सारे भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है। द्वारका हुकवानी लिखते हैं 'ये हमला अमरनाथ यात्रियों पर नही सारे हिन्दू समाज की आस्था पर है, कुछ करो मोदी जी।'

अमरनाथ यात्रियों पर आतंकी हमला मुस्लिमों और कश्मीरियों पर धब्बा: महबूबा मुफ़्ती

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रियों पर अनंतनाग में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती ने कहा है कि यह आतंकी हमला सभी मुस्लिमों और कश्मीरियों पर धब्बा है. अनंतनाग में एक अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंची मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आतंकी घटना की वजह से हर कश्मीरी का सिर शर्म से झुक गया है. उन्होंने कहा, 'हर साल देशभर से तीर्थयात्री तमाम मुश्किलों के बावजूद कश्मीर आते हैं. इस आतंकी हमले में सात लोगों की मौत हो गई. मेरे पास इसकी निंदा करने के लिए कोई शब्द नहीं है.' मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि सुरक्षा बल और जम्मू कश्मीर पुलिस साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी. साथ ही उन्होंने कहा कि हम अपराधियों को सज़ा दिलाने तक चुप नहीं बैठेंगे. महबूबा मुफ़्ती ने इस हमले को देखते हुए कैबिनेट मीटिंग बुलाई है. गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक बैठक बुलाई है. वहीं अलगाववादी नेताओं ने भी इस आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह घटना कश्मीरी संस्कार के ख़िलाफ़ है. एक संयुक्त बयान में हुर्रियत के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी, मीरवाइज़ उमर फ़ारूक़ और यासिन मलिक ने सात अमरनाथ यात्रियों के मारे जाने पर शोक प्रकट किया. उन्होंने कहा कि घटना कश्मीरी परंपरा के बिल्कुल विपरीत है. अमरनाथ यात्रा सदियों से शांतिपूर्ण तरीके से चलती रही है और यह वार्षिक गति का हिस्सा है और रहेगा. उन्होंने कहा शोकसंतप्त परिवारों के लिए हम बहुत दुखी हैं और हम अपनी संवेदना प्रकट करते हैं. बता दें कि सोमवार रात तकरीबन आठ बजे दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के बटेंगू में आतंकियों ने अमरनाथ यात्रियों से भरी एक बस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हो गए।

जम्मू कश्मीर: बडगाम में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में 3 आतंकी ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ अभियान को जारी रखते हुए मंगलवार देर रात हिज्ब आतंकी दाऊद और जावेद शेख को उनके एक पाकिस्तानी साथी समेत बडगाम के रडबुग में घेर लिया। सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में 3 आतंकी ढ़ेर हो गए हैं, फिलहाल सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। दोनों तरफ से रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने बडगाम में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद कर दिया। संबंधित अधिकारियों ने हालांकि आतंकियों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि शाम साढ़े सात बजे बडगाम जिले में मागाम के पास मक्हामा रडबुग में तीन आर्तकियों के छिपे होने की सूचना मिलते ही एसओजी श्रीनगर, एसओजी बडगाम और सेना की 2 आरआर के जवानों के संयुक्त कार्यदल ने उन्हें जिंदा अथवा मुर्दा पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया। रात साढ़े आठ बजे सुरक्षाबलों घेराबंदी करते हुए जैसे ही आर्तकियों के ठिकाने की तरफ बढ़ना चाहा, स्थानीय लोगों ने पथराव शुरू कर दिया, लेकिन सुरक्षाबलों ने घेराबंदी नहीं हटाई और पथराव कर रही भीड़ पर जल्द ही काबू पा लिया। रात दस बजे आर्तकियों की तरफ से पहली गोली चली। जवानों ने भी अपनी पोजीशन ली और जवाबी फायर किया। सुरक्षाबलों ने आर्तकियों के भागने के सभी रास्ते बंद करने व उन्हें मार गिराने का अभियान जारी रखा हुआ था।

तेजस्वी पर राजद को जदयू का अल्टीमेटम, भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं: नीतीश

पटना। भ्रष्टाचार के आरोप झेल रहे बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मीडिया और जनता के सामने तथ्यों के साथ प्रामाणिक सफाई देनी होगी। जदयू यही चाहता है। मंगलवार को पार्टी के विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने दो टूक राय रखी। नीतीश ने कहा कि आरोप लगे हैं तो राजनीतिक बयान नहीं, तथ्यों के साथ प्रामाणिक जवाब देना होगा। नीतीश ने पुराने उदाहरण की चर्चा करते हुए संकेत दिया कि वे भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करते। पहले कठोर कदम उठा चुके हैं और भविष्य में भी पीछे नहीं हटेंगे। इसके बाद प्रेस कांफ्रेंस में जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने साफ कहा कि हमारी पार्टी भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं करेगी। हम कुर्बानी देना जानते हैं। नीरज ने कहा कि पार्टी ने तय किया है कि वह अपने सहयोगी दल राजद से कहेगी कि जिन पर आरोप लगे हैं, वे तथ्यों के साथ जनता और मीडिया के सामने अपना पक्ष रखें। यह पूछे जाने पर कि इसके लिए कितना समय दिया गया है, उन्होंने सवाल को टाल दिया।

पुलिसकर्मियों को पिस्टल अड़ाकर खूंखार कैदी छुड़ाए

कैदियों के साथ बदमाश एक हेड कांस्टेबल को भी अगवा कर ले गए

इंदौर। मादक पदार्थों की तस्करी और लूट के आरोप में इंदौर की जिला जेल में बंद दो खूंखार कैदियों को मंगलवार सुबह पिस्टल और कट्टे लेकर आए बदमाश गुजरात के वालिया से फिल्मी अंदाज में छुड़ा ले गए। कैदियों के साथ बदमाश एक हेड कांस्टेबल को भी अगवा कर ले गए। उसके साथ मारपीट की और रुपए-मोबाइल लूटकर 20 किलोमीटर दूर जंगल में फेंक दिया। आरोपी बिहार और यूपी की कई गैंग से जुड़े हुए हैं। गुजरात सरकार ने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) को जांच का जिम्मा सौंपा है। जिला पुलिस लाइन (डीआरपी) में पदस्थ हेड कांस्टेबल मनरूप, कांस्टेबल मंशाराम, भरत और डोंगरे की टीम सोमवार सुबह कुख्यात बदमाश संतोष सिंह और बृजभूषण को वालिया कोर्ट पेशी ले गए थी। कट्टे और पिस्टल से लैस चार बदमाशों ने वालिया चौकड़ी क्षेत्र में पुलिसवालों को घेर लिया और गोली मारने की धमकी दी। आरोपियों ने संतोष और बृजभूषण को कस्टडी से छुड़ा लिया और कार से लेकर फरार हो गए। विरोध करने पर मनरूप को अगवा कर साथ में ले गए। उसके साथ मारपीट की और पांच हजार रुपए व मोबाइल लूटकर जंगल (वाड़ी) में फेंक दिया। घटना के करीब एक घंटे बाद बाइक सवार की मदद से मनरूप शहर पहुंचा और वालिया थाने में केस दर्ज करवाया। सिपाही के मोबाइल से कॉल कर बुलाई थी गाड़ियां : फरार आरोपियों पर वालिया में वर्ष 2012 में लूट का केस दर्ज हुआ था। चारों पुलिसकर्मी उन्हें सोमवार सुबह ट्रेन से पेशी के लिए ले गए थे। मंगलवार सुबह 7.30 बजे वे अंकलेश्वर रेलवे स्टेशन पहुंच गए। आरोपी संतोष ने सिपाही मंशाराम के मोबाइल से कॉल कर दो कारें (स्विफ्ट और क्रेटा) मंगवाई। एक कार में दो सिपाही और दोनों आरोपी बैठ गए। दूसरी में रायफलधारी सिपाही बैठे। कोर्ट खुलने में देरी होने के कारण आरोपी और सिपाही चौकड़ी स्थित एक दुकान पर नाश्ता करने चले गए। कुछ देर बाद दो बदमाश आए और पुलिसवालों पर पिस्टल तान दी। एक बदमाश ने संतोष को भी कट्टा दे दिया। आरआई के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ वालिया थाने में केस दर्ज करवा दिया गया है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

बेटियों के विवाह की मदद के लिए आगे आएगा फेडरेशन

उज्जैन। बेटियों के विवाह में मदद करने के लिए सिंध यूथ फेडरेशन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फेडरेशन ऐसे विद्यार्थियों को भी सहयोग देगा, जो धन की कमी के कारण अपनी शिक्षा को आगे नहीं बढ़ा पाते या बीच में ही छोड़ने पर विवश हो जाते हैं। फेडरेशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेश परियानी ने यह बात फेडरेशन के शपथ विधि समारोह के मंच से कही। नरेश धनवानी ने बताया शपथ विधि समारोह की शुरुआत सिंधु जाग्रत समाज अध्यक्ष रमेश सामदानी, सिंधी सक्खर पंचायत अध्यक्ष रमेश राजपाल व वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. मुकेश जेठवानी ने भगवान झूलेलाल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की। इसके पश्चात संस्थाध्यक्ष परियानी, सचिव गोपाल बलवानी, उपाध्यक्ष घनश्याम खजवानी, अनिल आहूजा, धर्मेंद्र खूबचंदानी, कोषाध्यक्ष मेघराज अवतानी, संगठन सचिव लोकेश आडवानी, संजय आहूजा, मीडिया प्रभारी संतोष कृष्णानी व सदस्य नरेश धनवानी, शक्ति जयसिंघानी, गोपाल खियानी, गोपाल राचवानी, दिनेश खत्री, हरीश देवनानी, हरीश टेकवानी, गगन जयसिंघानी, जय डेमलानी, दीपक चांदवानी, कपिल आहूजा ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने की शपथ ली।

खान नदी का पानी शिप्रा में मिलने से रोको

उज्जैन। नगर निगम में कांग्रेस पार्षद दल ने नगर सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। दल ने मंगलवार को निगमायुक्त डॉ. विजयकुमार जे. को शहर की समस्याओं से अवगत कराया और कहा, खान नदी को डायवर्ट करने पर करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी शहर के लोगों को पीला पानी पिलाया जा रहा है। खान नदी का पानी हमेशा के लिए शिप्रा में मिलने से रोका जाए। नगर निगम में प्रतिपक्ष ने फिलहाल कागजी युद्ध छेड़ दिया है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र वशिष्ठ सहित कांग्रेस पार्षदों ने मंगलवार को शहर की समस्याओं को लेकर ज्ञापन निगमायुक्त डॉ. विजयकुमार को सौंपा।

लैंड बैंक की बैठक में तय हुई हाई राइज इमारतों के लिए जमीन

इंदौर। पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के आवास निर्माण के लिए बनी लैंड बैंक समिति के पदाधिकारियों की मंगलवार को बैठक हुई। इसमें एडीजी व आईजी/डीआईजी स्तर के अफसरों ने हाई राइज इमारतों के लिए जमीन तय की। डीआईजी हरिनारायणचारी मिश्र के मुताबिक मप्र पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन से प्रबंध निदेशक संजय राणा द्वारा आरएपीटीसी, पीसीटी, एसएएफ, बटालियन सहित कई जगह बनने वाले मकान और फ्लैट के लिए जमीन देखी गई। राणा ने बताया पुलिस विभाग के लिए करीब 4000 आवास बनाना तय किया गया है। इसके लिए चार बड़े शहरों में लैंड बैंक समिति गठित की गई है जिनमें रेंज के एडीजी और आईजी सहित आईजी एसएएफ पदाधिकारी हैं। मंगलवार को एडीजी अजय कुमार शर्मा के कार्यालय में अफसरों ने बैठकी की और भूमि चि-ति कर मकान निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार किया।

पत्रकारिता के कोर्स का नाम बदलने से परीक्षा अटकी

इंदौर। इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च सेंटर से संचालित बैचलर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन का नाम बदलने के चलते विद्यार्थियों की परीक्षा चार महीने पिछड़ गई है। यह गलती कॉलेज की तरफ से हुई है। मंगलवार को परीक्षा करवाने के लिए विद्यार्थी छात्र सुनवाई में पहुंचे। तब यह मामला उजागर हुआ है। अब इसे सुधारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिकारियों ने जल्द ही परीक्षा फॉर्म निकालने की बात कही है। आईआईएमआर के पत्रकारिता के विद्यार्थी दोपहर 12 बजे यूनिवर्सिटी पहुंचे। सात विद्यार्थियों ने अप्रैल 2016 में बीएजेएमएस कोर्स में प्रवेश लिया। मगर कॉलेज ने बीएएमएस और विद्यार्थियों की सूची भेज दी। प्रबंधन की लापरवाही के चलते अब तक परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है। वहीं यूनिवर्सिटी ने इन विद्यार्थियों का नामांकन भी नहीं करवाया है। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने अधिकारियों से बहस की। बाद में तय हुआ कि नए सिरे से कॉलेज कोर्स की जानकारी दे। फिर परीक्षा करवाई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी और परीक्षा विभाग के उप कुलसचिव प्रज्वल खरे ने बताया कि फॉर्म जुलाई आखिरी तक निकालेंगे। उसके बाद सात दिन में परीक्षा करवाएंगे। विशेष परीक्षा के लिए दिया आवेदन : बीसीए छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने एटीकेटी के लिए विशेष परीक्षा करवाने के लिए आवेदन दिया।

दुकानों से माल चुराता और प्रेमिका को कॉस्मेटिक-कपड़ों का तोहफा देता

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने मंगलवार को 34 वर्षीय धर्मेंद्र कुशवाह कृष्णबाग कॉलोनी को सैनिटरी और कम्प्यूटर दुकान में चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। वह प्लंबर है। कामकाज की आड़ में रेकी करता और रात को ताला तोड़कर दुकान से लाखों का सामान चुराता। एएसपी के मुताबिक धर्मेंद्र शादीशुदा है। उसका मालवीय नगर निवासी लक्ष्मी से प्रेम प्रसंग चल रहा है। चोरी का सामान भी उसके घर में छुपाता था। चोरी का माल बेचकर उसे महंगे कपड़े और कॉस्मेटिक गिफ्ट करता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने स्कीम-113 और अंबेडकर नगर स्थित दुकानों में चोरी करना स्वीकारा है। आरोपी की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही पलासिया क्षेत्र के व्यापारी भी थाने पहुंच गए। उन्होंने बताया जब्त सामान उनका है। पलासिया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। एएसपी के मुताबिक आरोपी के कब्जे से 6 लाख से ज्यादा का माल बरामद हुआ है।

खबरें

1000 करोड़ रुपये के मूल्य स्थिरीकरण कोष का गठन

किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिये

उज्जैन। मध्यप्रदेश में किसानों को बाजार हस्तक्षेप दर के अनुसार उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के मकसद से 1000 करोड़ रुपये का मध्यप्रदेश मूल्य स्थिरीकरण कोष का गठन किया गया है। राज्य शासन ने मूल्य स्थिरीकरण कोष के लिये कार्यकारिणी समिति का गठन किया है।

कोष का गठन जिन उद्देश्यों के लिये किया गया है, उनमें जिन जिंसों का केन्द्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया जाता है, उन जिंसों के मध्यप्रदेश कृषि उत्पाद लागत एवं विपणन आयोग द्वारा अनुशंसित एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित बाजार हस्तक्षेप दर (मार्केट इंटरवेंशन रेट) पर किये गये उपार्जन में हानि की स्थिति में उपार्जन संस्था को उक्त कोष से राशि प्रदाय की जायेगी है। केन्द्र सरकार के प्राइस स्टेबलाइजेशन फण्ड से वित्त हानि के लिये प्राप्त राशि को उक्त कोष में जमा किया जायेगा। उक्त कार्य में लाभांश प्राप्त होने पर भी कोष में लाभांश की राशि जमा की जायेगी। कोष में उपलब्ध राशि पर ब्याज की राशि प्राप्त होने पर मूल्य स्थिरीकरण कोष में जमा करवायी जायेगी। मूल्य स्थिरीकरण कोष का संधारण राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा किया जायेगा। मध्यप्रदेश मूल्य स्थिरीकरण कोष में 500 करोड़ रुपये मण्डी बोर्ड की राज्य विपणन विकास निधि से तथा शेष राशि राज्य शासन के बजट प्रावधान किये जाने के बाद कोष में जमा करवायी जायेगी। कृषि केबिनेट मूल्य स्थिरीकरण कोष की साधारण सभा होगी और उसके द्वारा मूल्य स्थिरीकरण कोष की नीति का निर्धारण किया जायेगा।

कार्यकारिणी समिति : मूल्य स्थिरीकरण कोष के लिये कार्यकारिणी समिति गठित की गई है। कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष कृषि उत्पादन आयुक्त होंगे। समिति के अन्य सदस्य में प्रमुख सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, प्रमुख सचिव वित्त, प्रमुख सचिव सहकारिता, प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, प्रमुख सचिव जल-संसाधन, प्रमुख सचिव पशुपालन विभाग, प्रमुख सचिव मत्स्य-पालन विभाग, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य वेयर-हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन भोपाल को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक राज्य कृषि विपणन बोर्ड भोपाल होंगे। कार्यकारिणी समिति द्वारा साधारण सभा (कृषि केबिनेट) के निर्णय के अनुसार कोष के संचालन का कार्य किया जायेगा। मूल्य स्थिरीकरण कोष के संचालन, प्रक्रियाएँ और ऑपरेशनल गाइड-लाइन संबंधी निर्देश राज्य शासन द्वारा शीघ्र जारी किये जायेंगे।

प्रदेश में अब तक 6047764.96 क्विंटल प्याज की खरीदी

उज्जैन 30 जून। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में प्याज के बम्पर उत्पादन को देखते हुए प्याज उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के उद्देश्य से 8 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खरीदी की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 6047764.96 क्विंटल प्याज की खरीदी खरीदी केन्द्रों के जरिये की जा चुकी है। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर मूंग, उड़द, तुअर और मसूर की खरीदी निरंतर जारी है। आज शाम की स्थिति में 778751.24 क्विंटल मूंग, 75476.65 क्विंटल उड़द, 303110.6 क्विंटल तुअर और 120000 क्विंटल मसूर की खरीदी की जा चुकी है।

प्रदेश में आज से मूँग-उड़द एफ.ए.क्यू. मानक के अनुसार ही खरीदी जायेंगी

उज्जैन। प्रदेश में 01 जुलाई से किसानों से मूँग-उड़द उपज एफ.ए.क्यू. मानक के अनुसार खरीदी किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में किसान-कल्याण तथा कृषि विभाग ने जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि ग्रीष्म उपज मूँग-उड़द की वास्तविक उपज की खरीदी सुनिश्चित करने के लिये बोये गये क्षेत्र एवं उपज के संबंध में पटवारी, राजस्व अधिकारी से खसरा की सत्यापित प्रति अथवा प्रमाण-पत्र और कृषक का नाम, पता, ग्राम, पहचान-पत्र आवश्यक रूप से प्राप्त करने के बाद ही एफ.ए.क्यू. मानक अनुसार खरीदी की जाये।

नई गौ-शालाओं के पंजीयन के लिये न्यूनतम 100 गौ-धन और एक एकड़ जमीन अनिवार्य

जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने किसानों को प्रेरित करें: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। प्रदेश में अब नई गौ-शालाओं का पंजीयन करने के लिये उनके पास कम से कम 100 गौ-धन, भूमि, भवन और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य होगी। गौ-शाला समिति की कम से कम एक एकड़ की अपने स्वामित्व की भूमि होना चाहिये। इस आशय का निर्णय आज मंत्रालय में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश पशुधन एवं गौ-संवर्धन बोर्ड की बैठक में लिया गया। बैठक में बोर्ड का नाम मध्यप्रदेश गौ-पालन एवं गौ-संवर्धन बोर्ड रखने का भी निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भारतीय गायों के महत्व पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला करने के निर्देश दिये। इसके जरिये भारतीय गायों के संबंध में विभिन्न देशों में हो रहे अनुसंधान की जानकारी सबको सर्वसुलभ हो सकेगी। उन्होंने गोबर-खाद और गौ-मूत्र से बने कीटनाशकों का अधिकाधिक उपयोग करने की जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रेरित करने के लिये कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की गौ-शालाओं में 1.41 लाख गौ-वंश का पालन किया जा रहा है। बैठक में बोर्ड का बजट बढ़ाने, आय का स्रोत बढ़ाने, गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र सुसनेर के प्रबंधन संबंधी विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा बोर्ड के कामों में विशेषज्ञों का सलाहकार मंडल बनाने, जैविक खाद की विपणन नीति तैयार करने, पशु चिकित्सक विज्ञान की स्नातकोत्तर की शिक्षा में देशी गौ-वंश पर अनुसंधान के लिये छात्रवृत्ति देने जैसे प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में पशुपालन मंत्री श्री अंतरसिंह आर्य, बोर्ड के उपाध्यक्ष स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद महाराज, बोर्ड के सदस्य, ग्रामीण विकास के अपर मुख्य सचिव श्री राधेश्याम जुलानिया, अपर मुख्य सचिव गृह श्री के.के. सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री पी.सी. मीना, प्रमुख सचिव कृषि डॉ. राजेश राजौरा, मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री राकेश श्रीवास्तव एवं संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव उपस्थित थे।

मिल बांचे मध्यप्रदेश कार्यक्रम जन-अभियान का स्वरूप लेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बच्चों में पुस्तकें पढ़ने के प्रति रूझान पैदा करने के लिये समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इसके लिये मिल बांचे कार्यक्रम को जन-अभियान का स्वरूप दिया जायेगा। मुख्यमंत्री आज मिल बांचे कार्यक्रम की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को साइकिल वितरण की तैयारी का भी जायजा लिया और अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मिल बांचे कार्यक्रम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में भी समाज का सहयोग लिया जाये।

ऐसी व्यवस्था बनायें जिसमें जनता को कोई परेशानी नहीं हो

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के लिये है। ऐसी व्यवस्था बनायें जिसमें जनता को कोई परेशानी नहीं हो। जनता की दिक्कतों को सहन नहीं किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व और ऊर्जा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को खसरा-खतौनी की नकलें निःशुल्क घर-घर जाकर देने के अभियान की कार्य-योजना बनायें। यह अभियान आगामी 15 अगस्त से शुरू होगा। आवासहीन गरीब परिवारों को पट्टे देने के लिये बनाये गये अधिनियम के तहत आबादी भूमि का चिन्हांकन कर घोषित करने की कार्रवाई करें। प्रत्येक आवासहीन को आवास उपलब्ध करवाने के अभियान के लिये तैयारियाँ करें। अभियान आगामी 25 सितम्बर के बाद शुरू होगा। राजस्व और ऊर्जा विभाग सीधे आम जनता से जुड़े विभाग हैं। इनसे जुड़ी विभिन्न सेवा को समय-सीमा में दिया जाये। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत इनकी सेवाएँ समय पर दिये जाने की सभी कलेक्टर मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर एक सप्ताह में जानकारी भेंजे कि उनके जिले में राजस्व संबंधी प्रकरण समय-सीमा में निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गयी है। समय-सीमा से अधिक के लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करवयें। राजस्व अधिकारी निर्धारित दिनों पर अपने राजस्व न्यायालय में बैठे और उसे पोर्टल पर दर्ज करवायें। शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई मानवीय दृष्टिकोण से करें। किसी गरीब को हटाने से पहले उसके आवास की वैकल्पिक व्यवस्था करें जबकि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के अतिक्रमण को तुरंत हटायें। वर्षा ऋतु में आकस्मिक आपदाओं से निपटने की तैयारियाँ करें। जलजनित बीमारियों की रोकथाम की तैयारियाँ करें। फसल कटाई प्रयोग किसानों के सामने किये जायें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि पम्प जितने हार्सपॉवर का हो उसके अनुरूप ही बिल दिया जाये। ट्रांसफार्मर बदलने के लिये निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाये। अस्थाई कृषि पम्प कनेक्शन को स्थाई में बदलने का अभियान चलायें। विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का निराकरण ग्राम स्तर तक जाकर किया जाये। ऊर्जा विभाग के अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करें। विद्युत आपूर्ति की लगातार मॉनीटरिंग की जाये, कहीं भी अघोषित विद्युत कटौती नहीं हो। राजस्व मंत्री श्री गुप्ता ने कहा कि पटवारियों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाये। जिस भूमि का अधिग्रहण किया जाये उसका मुआवजा शीघ्र देना चाहिये। जमीन अधिग्रहण मुआवजे के प्रकरण यदि किसी जिले में लंबित है तो उसका तत्काल निराकरण करें।

इसके लिये पर्याप्त बजट उपलब्ध है। सभी जिला कलेक्टर विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में भिजवायें।

योजना

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय उद्यानों-अभयारण्यों में विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी

भोपाल। प्रदेश के कान्हा और सतपुड़ा टाईगर रिजर्व को तीसरी एशियन मिनिस्ट्रीयल कान्फ्रेंस दिल्ली में वन्यप्राणी प्रबंधन के लिये पुरस्कृत किया गया है। प्रदेश में पाँच नये वाइल्ड लाईफ रेस्क्यू स्क्वाड का गठन किया गया है। इन्हें मिलाकर अब प्रदेश में 15 वाइल्ड लाईफ रेस्क्यू स्क्वाड हो गये हैं। राजस्व क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुँचाने वाले रोजड़ों को पकड़कर संरक्षित क्षेत्रों में छोड़ा गया है। यह जानकारी आज मंत्रालय में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में दी गयी।

बैठक में प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों के भीतर विकास कार्यों की अनुमति के प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार, राज्य वन्यप्राणी बोर्ड के अशासकीय सदस्य, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक श्री अनिमेष शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री जितेन्द्र अग्रवाल बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में मध्यप्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों के अंतर्गत स्थित ग्रामों के ग्रामीणों के अधिकारों के विनिश्चयन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। संरक्षित क्षेत्रों के ग्रामों के विस्थापन के बाद पुनर्वासित वन भूमि को राजस्व भूमि में परिवर्तन करने तथा संरक्षित क्षेत्रों से राजस्व ग्रामों के विस्थापन के बाद रिक्त राजस्व भूमि को वन भूमि में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गयी। बैठक में रातापानी अभयारण्य में बरखेड़ा से बुधनी तक प्रस्तावित तीसरी रेल लाईन निर्माण, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व की सीमा के भीतर सोनतलाई-बागरातवा आंशिक दोहरीकरण बड़ी रेल लाईन परियोजना के लिये वन भूमि अर्जन, सोन घड़ियाल अभयारण्य में रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेल लाईन में सोन नदी पर भितरी-कुर्वाह पुल निर्माण, संजय टाईगर रिजर्व में कटनी-सिंगरौली रेलवे लाईन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण की स्वीकृति दी गई। इसी तरह, संजय टाईगर रिजर्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना में चार पहुँच मार्गों के निर्माण, खिवनी अभयारण्य में नंदाखेड़ा से ओंकारा मार्ग निर्माण, सोन चिड़िया अभयारण्य घाटी गाँव में ए.बी. रोड-बसोटा रोड से चराईडान मार्ग, सोन घड़ियाल अभयारण्य में बहर-कोरसर मार्ग में गोपद नदी पर उच्च-स्तरीय पुल, राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में चंबल नदी पर सोने का गुरजा पर उच्च-स्तरीय पुल, सोन घड़ियाल अभयारण्य में सोन नदी पर नकझर से बमुरी सिंहावल मार्ग में उच्च-स्तरीय पुल, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में रामपुर से भतौड़ी मार्ग का उन्नयन, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व में पिपरिया-पचमढ़ी से घाना मार्ग निर्माण और सोन चिड़िया अभयारण्य में ग्राम धुंआ से तकियापुरा बसौटा मार्ग पर मरम्मत और तीन पुलिया निर्माण की स्वीकृति के प्रस्ताव का बैठक में अनुमोदन किया गया। इसी तरह सोन घड़ियाल अभयारण्य में सोन नदी पर सीधी-सिंहावल 132 के.व्ही. विद्युत पारेषण लाईन, रीवा-सीधी 220 के.व्ही. पारेषण लाईन, सोन नदी एवं बनास नदी पर 765 के.व्ही. विद्युत लाईन की स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व में रक्षा बलों के लिये राज्य मार्ग 19 और 19ए के तरफ के किनारों में ऑप्टिकल फायबर केबल लाईन बिछाने तथा नरसिंहगढ़ अभयारण्य में रक्षा बलों के लिये राज्य मार्ग-12 के किनारे ऑप्टिकल फायबर केबल लाईन बिछाने की अनुमति का अनुमोदन किया गया। इसी तरह विभिन्न अभयारण्य में दस किलोमीटर की परिधि में उत्खनन के प्रस्तावों की अनुमति का अनुमोदन किया गया। माधव राष्ट्रीय उद्यान में मनीखेड़ा डेम से शिवपुरी तक पानी की पाइप लाइन सोन चिड़िया अभयारण्य में ग्राम धुंआ में खेल मैदान निर्माण, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की दस किलोमीटर की परिधि में ग्राम अकबरपुर कोलार दशहरा मैदान भोपाल में स्टेडियम निर्माण के प्रस्ताव की स्वीकृति का अनुमोदन किया गया।

राज्य प्रशासनिक सेवा जनता की सेवा का सशक्त माध्यम

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य प्रशासनिक सेवा जनता की सेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस सेवा में लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं और लोक सेवाओं के प्रदाय के प्रति सचेत और संवेदनशील बने रहना आवश्यक है। श्री चौहान आज मंत्रालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। श्री चौहान ने प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासन के क्षेत्र में काम करने और सफल होने की समझाईश दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे जनता के लिये हमेशा उपलब्ध रहें और निर्विकार भाव से उनकी सेवा करें। उन्होंने कहा कि सेवा तभी हो सकती है जब सेवाभाव अंतर्मन से उपजे। बलपूर्वक सेवा नहीं की जा सकती। श्री चौहान ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में काम करते हुये यह अनुभव होगा कि लोक ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को सलाह दी कि जब लोकतंत्र में लोक सर्वोपरि है तो लोगों के प्रतिनिधियों को भी बराबर का सम्मान दें। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रशासनिक अंगों के बीच समन्वय और सहयोग स्थापित करना अच्छे प्रशासक की निशानी है।

सम्पादकीय

पश्चिमी मध्यप्रदेश में उभरता नया टूरिस्ट सर्किट

सैलानियों की सहूलियत के लिये मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग में एक उपयुक्त टूरिस्ट सर्किट उभरकर सामने आया है। हनुवंतिया वॉटर स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स से तकरीबन 85 किलोमीटर पहले सेलानी रिसॉर्ट विकसित होने से यह संभावना जल्द साकार हुई है। यह जगह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर के नजदीक ही स्थित है। सेलानी टापू पर रिसॉर्ट बन जाने से अब पर्यटक हनुवंतिया से सेलानी आकर ओंकारेश्वर, महेश्वर और मांडव तक के इस टूरिस्ट सर्किट की यात्रा का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही वे इंदौर और प्रसिद्ध तीर्थ-स्थली उज्जैन को इसमें शामिल कर धार्मिक पर्यटन का भी लाभ ले सकते हैं। इस सर्किट पर पर्यटक बारहों महीने भ्रमण पर आ सकते हैं लेकिन श्रावण मास में यहाँ आने पर वे भगवान महाकालेश्वर की सवारी के दर्शन का लाभ लेकर 'एक पंथ दोउ काज' की उक्ति को चरितार्थ कर सकेंगे। भूतभावन महाकाल की सवारी उज्जैन में इस बार श्रावण मास में 10 जुलाई, 2017 को प्रथम और 21 अगस्त, 2017 को सातवीं सवारी निकलेगी।

पर्यटक इस सर्किट पर जहाँ द्वादश ज्योतिर्लिंग में से दो मुख्य-उज्जैन और ओंकारेश्वर के दर्शन कर सकेंगे वहीं हनुवंतिया के साथ सेलानी टापू पर पानी में सैर, वॉटर स्पोर्टस और रोमांचक गतिविधियों का लुत्फ उठा सकेंगे। श्रावण मास में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के दर्शन और जल चढ़ाना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। उधर बारिश के मौसम में माण्डू की हरीतिमा और प्राकृतिक सौन्दर्य देखने लायक होता है। रानी रूपमती और बाज-बहादुर की प्रणय-गाथा की अनुगूँज आज भी यहाँ के इतिहास से जुड़ी है। रिमझिम बारिश के दौर में जब बादल उमड़-घुमड़कर प्राचीन महलों के बहुत करीब से गुजरते हैं तब वहाँ मौजूद पर्यटकों का मन-मयूर भी जैसे नाच उठता है। माण्डू के प्राकृतिक सौन्दर्य का जितना भी वर्णन किया जाये कम है लेकिन निश्चित ही बारिश में यहाँ की सुंदरता को चार चाँद लग जाते हैं। इस टूरिस्ट सर्किट पर प्राचीन माहिष्मती नगरी महेश्वर एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है जहाँ माँ नर्मदा शांत स्वरूप में प्रवाहित हैं। महेश्वर ऐतिहासिक महत्व के साथ मंदिरों की नगरी भी है। होलकर राजवंश के इतिहास को समेटे हुए देवी अहिल्या बाई होलकर के पुण्य-प्रताप से सराबोर है महेश्वर। इतने बरसों बाद भी देवी अहिल्या की स्मृति में हरेक सोमवार को यहाँ पालकी निकाली जाती है जो राज-राजेश्वर मंदिर तक जाती है। इस मंदिर में आज भी 11 अखंड नंदा दीपक प्रज्जवलित हैं। महेश्वर के ऐतिहासिक किले और राजवाड़ा परिसर में देवी अहिल्या की प्रतिमा, गादी और उसके निकट पालकी तथा होलकर राज्य चिन्ह बड़े जतन से संरक्षित और सुरक्षित रखे गये हैं। देव पूजा घर भी है। यहाँ सोने की पालकी में लड्डू गोपाल विराजित हैं। देवी अहिल्या बाई होलकर चेरिटी ट्रस्ट भी संचालित है। तत्कालीन समय में प्रयुक्त शस्त्र भी प्रदर्शित हैं। होलकर राजवंश के शासकों की सूची और उनके फोटो भी यहाँ लगे हैं। देवी अहिल्या ने यहाँ राजवाड़ा का निर्माण करवाकर 1766 में महेश्वर को राजधानी घोषित किया था। उनके पति खांडेराव होलकर के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हो जाने से अहिल्या बाई को राज-काज संभालना पड़ा। उन्होंने वर्ष 1767 से 1795 तक लगभग तीस वर्ष तक शासन किया। रहन-सहन में सरल और सादगी पसंद देवी अहिल्या शिव भक्त और उपासक भी थीं। राजवाड़ा में अंकित 'महल नहीं छोटा सा घर है' से यह तथ्य स्वत: रेखांकित होता है। उनकी स्मृति में यहाँ वट वृक्ष भी लगा है। अहिल्या के राज-काज में 'सुशासन' पर उनके अपने विचार और उस पर अमल आज भी प्रेरणा के रूप में यहाँ उत्कीर्ण हैं। देवी अहिल्या ने न केवल महेश्वर को सँवारा, मंदिर बनवाए बल्कि काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी करवाया था।

''ईश्वर ने मुझ पर जो उत्तरदायित्व रखा है, उसे मुझे निभाना है।

मेरा काम प्रजा को सुखी रखना है। मैं अपने प्रत्येक काम के लिये जिम्मेदार हूँ। सामर्थ्य व सत्ता के बल पर मैं यहाँ जो भी कर रही हूँ उसका ईश्वर के यहाँ मुझे जवाब देना है। मेरा यह सब कुछ नहीं है, जिसका है उसी के पास भेजती हूँ। जो कुछ लेती हूँ, वह मेरे ऊपर ऋण (कर्ज) है।

न जाने उसे कैसे चुका पाउँगी। महेश्वर स्थित राजवाड़ा में अहिल्या देवी होलकर की कचहरी (जहाँ न्याय व्यवस्था संचालित थी) के बाहर बोर्ड पर अंकित

मशहूर महेश्वरी साड़ियाँ : जिक्र महेश्वर का हो और यहाँ की मशहूर साड़ियों की चर्चा न हो, यह संभव ही नहीं है। देवी अहिल्या ने अपने शासनकाल में हैदराबाद/कलकत्ता से बुनकरों को यहाँ बुलवाकर जिस काम की शुरूआत की थी वह आज महेश्वरी साड़ी के 'ब्राण्ड नेम' से देश-विदेश तक जानी-पहचानी और पहनी जाती है। अनेक परिवारों के रोजगार का जरिया भी यही साड़ी उद्योग है। बुनकरों की रेवा सोसाइटी से तकरीबन साढ़े तीन सौ बुनकर जुड़े हुए हैं। होलकर वंश के रिचर्ड होलकर इस संस्था से जुड़े हैं। महेश्वर स्थित मोमिनपुरा बुनकरों के लिये जाना जाता है लेकिन इसके अलावा अन्य लोग भी साड़ी उद्योग से जुड़कर आजीविका कमा रहे हैं। महेश्वर के मुख्य बाजार के साथ छोटे सँकरे रास्तों-चौराहों पर भी महेश्वरी साड़ियाँ बिक्री के लिये उपलब्ध हैं। महेश्वर का ब्लॉक प्रिन्ट भी उतना ही मशहूर है। अब इस परम्परागत साड़ी उद्योग के आधुनिकीकरण की भी चर्चा सुनाई देती है। महेश्वर में नर्मदा का चौड़ा पाट भले ही शांत स्वरूप में है किंतु सहस्त्रधारा नाम के स्थान पर नर्मदा का जल-प्रपात है।

- पराग वराडपांडे

आम जनता के काम समय पर होना चाहिये

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समाधान ऑन लाईन में कलेक्टरों को दिये निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सुशासन से आमजनों को सेवाओं का लाभ समय से मिले, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आमजनों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये परेशान नहीं होना पड़े। उन्हें लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय सीमा में सेवाओं का प्रदाय हो, यह सुनिश्चित किया जाये। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज यहां समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत कलेक्टरों को यह निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समय पर आम जनता के काम होना चाहिए। राजस्व प्रकरण के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। खसरे की नकलें किसानों तक पहुंचाने का अभियान सभी जिलों में पारदर्शी तरीके से चलायें। समर्थन मूल्य पर मूंग, उड़द, मसूर की खरीदी पूरी संवेदना के साथ हो। विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों के बैंक खाते में भुगतान करने की सूचना समय से मिले, इसकी व्यवस्था बनायें। शासकीय मंदिरों के पुजारियों को मानदेय का भुगतान समय से हो, यह सुनिश्चित किया जाये।

लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज समाधान ऑन लाईन के दौरान हरदा जिले ग्राम बड़झिरी नेत्रहीन दंपत्ति श्री जयराम और ललिता के बेटों आकाश और बादल के लिये मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये की राशि स्वीकृत की। हरदा जिले के जयराम ने शिकायत की थी कि उन्होंने सामूहिक विवाह में शादी की है परन्तु उन्हें मुख्यमंत्री विवाह सहायता और विकलांग विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि नहीं मिली है। इस पर कलेक्टर हरदा ने जानकारी दी कि इनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुये उन्हें 63 हजार रुपये की राशि दी जा चुकी है। जब जयराम ने बताया कि उनके दो बेटे बादल और आकाश हो गये हैं। तब मुख्यमंत्री ने इन दोनों बच्चों के लिये सहायता राशि स्वीकृत की।

समाधान ऑनलाइन के तहत आज ग्यारह हितग्राहियों की शिकायतों का निराकरण किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिये। कटनी जिले के ग्राम कटौह के श्री दर्शनलाल चौधरी द्वारा इन्दिरा आवास योजना की प्रथम किश्त देर से मिलने और दूसरी किश्त का भुगतान नहीं होने के प्रकरण में मुख्यमंत्री ने संबंधित जनपद पंचायत रीठी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निलंबित करने तथा पूरे प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिये। रतलाम जिले की ग्राम पंचायत बिरमावल के सरपंच श्री कन्हैयालाल द्वारा कराये गये कार्यों का भुगतान नहीं मिलने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत रतलाम के संबंधित सहायक यंत्री, उपयंत्री, सहायक लेखाधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निलंबित करने और जांच करने के निर्देश दिये। सागर जिले के ग्राम इटवा में वन विभाग द्वारा तालाब निर्माण, पिचिंग और कूप निर्माण का कार्य होने के बाद भी आवेदकों को भुगतान नहीं मिलने की शिकायत पर संबंधित रेंजर और वनरक्षक को निलम्बित करने के निर्देश दिये। समाधान ऑनलाइन में आज शिवपुरी जिले के ग्राम सिलपुरा के श्री विश्वनाथ पाल की पत्नी को दुर्घटना में विकलांग होने पर सहायता राशि प्राप्त नहीं होने, दमोह जिले के ग्राम सासा के श्री रामसेवक घोषी की भूमि शासकीय अभिलेख में अंकित होने संबंधी, सीहोर जिले के ग्राम नजरगंज की श्रीमती कमला भूतिया के पति की मृत्यु के बाद मीसाबंदी पेंशन नहीं मिलने, हरदा जिले के ग्राम बड़झिरी के श्री जयराम को विकलांग विवाह प्रोत्साहन की राशि नहीं मिलने, सतना जिले के ग्राम मउहट श्रीमती गुलबसिया पटेल को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृत राशि नहीं मिलने, देवास जिले के ग्राम बेडगांव के श्री गबू मनसौरे की पत्नी की मृत्यु के बाद बीमा राशि नहीं मिलने, इन्दौर जिले के ग्राम भालौदा के श्री संतोष शर्मा और ग्राम बलधारा के श्री सोहन उपाध्याय के पुजारी का मानदेय नहीं मिलने की और बालाघाट जिले ग्राम कारंजा के श्री झामसिंह नाईक को नलकूप खनन योजना की राशि दूसरे खाते में जाने की शिकायत का निराकरण किया गया।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

अगर सर्दी में सता रही है खांसी तो आजमाएं घर पर बने ये सुरक्षित कफ सिरप

कफ सिरप लेने के नाम से ही हमारे दिमाग में जो पहली बात आती है वो यह है कि इसे लेते ही नींद आएगी। पर क्या यह जरूरी है कि आप बाहर से खरीदकर ही कफ सिरप लें? अगर आपको कफ सिरप पीने में डर लगता है तो आप इसे घर पर ही बना सकते हैं। घर में बने इस कफ सिरप को पीने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे साइड-इफेक्ट की आशंका खत्म हो जाती है. साथ ही यह पूरी तरह नेचुरल होता है तो किसी प्रकार की एलर्जी का भी डर नहीं रहता।

इन दो तरीकों से आप चाहें तो अपना कफ सिरप घर पर ही बना सकते हैं. इन दोनों ही तरीकों के कफ सिरप बनाने के लिए आपको अदरक, शहद, नींबू और ग्लसिरीन की जरूरत पड़ेगी।

अदरक प्राकृतिक रूप से खांसी और सर्दी को दूर करने का काम करती है। इसके अलावा यह गले में अंदर की ओर होने वाली सूजन को दूर करने में भी काफी फायदेमंद रहती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं और यह एक बेहतरीन एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल है।

अदरक में ओलेओरेसिन नाम का एक कम्पाउंड पाया जाता है जो कफ और सर्दी की समस्या को दूर करने का काम करता है।

अदरक के अलावा कफ सिरप बनाने में इस्तेमाल होने वाला शहद भी स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत ही फायदेमंद है। यह गले के लिए किसी वरदान से कम नहीं। यह एक एंटी-ऑक्सीडेंट है और इसमें एंटी-माइक्रोबियल गुण भी पाए जाते हैं जो संक्रमण से सुरक्षा देने का काम करते हैं।

वहीं, नींबू में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर नींबू इम्यून पावर को बढ़ाने का काम करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। वहीं ग्लिसरीन एक नेचुरल प्रिजरवेटिव है।

कफ सिरप बनाने का तरीका: इस कफ सिरप को बनाने के लिए आपको अदरक, शहद, दो नींबू और पानी की जरूरत होगी। सबसे पहले अदरक को सफाई से छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। उसके बाद एक ताजे नींबू को कद्दूकस कर लें। एक गहरे बर्तन में एक कप पानी डालकर उसे गैस पर गर्म होने के लिए रख दें। इसमें आधा कप कटी हुई अदरक डाल दें। साथ ही आधा चम्मच घिसा हुआ नींबू डाल दें।

इस मिश्रण को पांच मिनट तक उबलने के लिए रख दें और फिर छान लें। इस घोल में एक कप शहद डालकर इसे हल्की आंच पर रख दें। लेकिन इसे उबालें नहीं। इसके बाद इसमें दो नींबू निचोड़ दें। इसे पूरे मिश्रण को कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाने के बाद किसी जार में भरकर रख दें। इस पेय के इस्तेमाल से आपकी कफ और खांसी की समस्या बहुत जल्दी दूर हो जाएगी।

आप चाहें तो अपना सकते हैं ये भी तरीका

इस विधि के लिए भी आपको शहद, नींबू और फूड ग्रेड ग्लिसरीन की आवश्यकता पड़ेगी। सबसे पहले एक-चौथाई ग्लिसरीन को एक बड़े बर्तन में डाल लें। इसमें एक चौथाई मात्रा में ही शहद डाल दें। उसके बाद उतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर मिलाएं। इन तीनों

ही चीजों को अच्छी तरह मिला लें। उसके बाद किसी एयर-टाइट जार में डालकर बंद कर दें। दिन में दो से तीन बार तक इसका इस्तेमाल करना फायदेमंद रहेगा। आप चाहें तो इस मिश्रण में अदरक के रस की कुछ मात्रा भी मिला सकते हैं।

सिगरेट से स्वास्थ्य समस्याएं

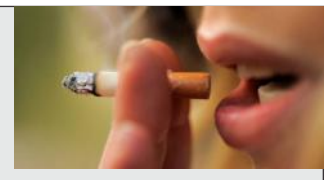

हाल ही में हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि ऐसे लोग जो भले ही सिगरेट न पीते हों पर सिगरेट पीने वालों के साथ उठते-बैठते हैं, उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं के संदर्भ कहा गया है कि जो महिलाएं पैसिव स्मोकर हैं, उन्हें मेनोपोज के जल्दी आने और बांझपन की समस्या हो सकती है। हालांकि जो महिलाएं धूम्रपान करती हैं उनमें मेनोपोज एक से दो साल पहले ही आ जाता है। पर चौंकाने वाली बात ये है कि सिगरेट पीने वाले लोगों के संपर्क में रहने वाली महिलाओं में भी इस बात का खतरा होता है। महिलाओं के स्वास्थ्य और धूम्रपान के बीच संबंध का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि महिलाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए। किसी भी प्रकार का नशा उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। पैसिव स्मोकर होने पर कौन से खतरों से जूझना पड़ता है। तंबाकू में मौजूद विषाक्त पदार्थ प्रजनन क्षमता पर सीधा असर डालती हैं। इसके अलावा ये हॉर्मोन्स को भी असंतुलित कर देता है। इस अध्ययन के मुताबिक, महिलाओं के नशा करने से उनकी प्रजनन क्षमता पर असर पड़ता है। इसका बुरा असर उनके बच्चे पर भी पड़ता है।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

टाइम पर पहुंचना है ऑफिस, मॉर्निंग रुटीन को इस तरह करें तेज

ऑफिस समय पर पहुंचने की कितनी भी कोशिश करो लेकिन सुबह-सुबह की भागादौड़ी के कारण लेटलतीफी हो ही जाती है। यह समस्या कई लोगों के साथ होगी कि उन्हें जल्दी उठने के बाद भी यह महसूस होता है कि उन्हें हर काम करने में जल्दबाजी करनी पड़ रही है। जल्दी-जल्दी नहाना, ब्रेकफास्ट ही नहीं अपना ऑफिस बैग जमाने में भी समय की कमी महसूस होती है। ऐसे में हर सुबह तनावपूर्ण होती है। यानी ऑफिस जाने से पहले ही आप इतने स्ट्रेस्ड हो जाते हैं कि आपकी एनर्जी अफेक्ट होती है।

अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही है तो यह पांच बातें आपके लिए बड़े काम की हो सकती है। इन पांच टिप्स को अपनाकर आप अपना मॉर्निंग रुटीन तेज कर सकते हैं:

स्नूज की आदत एक बार लग जाए तो इसे छोड़ना मुश्किल है। एक बार आपने सुबह उठने का लक्ष्य बना लिया है तो कोशिश करें कि अलार्म को स्नूज मोड़ पर न डालें। अगर आपको इस आदत को छोड़ना है तो अलार्म या फोन को सोने से पहले अपने रूम के अलग ही साइड में रखें। इस तरह आपको अलार्म बजने पर उठना ही होगा और कुछ कदम चलकर अलार्म बंद करना पड़ेगा। आप खुद पाएंगे कि एक्स्ट्रा 10-15 मिनट मिलने पर आप कितने ज्यादा प्रोडक्टिव हैं।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हम अपने ऑफिस ऑउटफिट्स को स्टाइलिशन रखना पसंद करते हैं। लेकिन क्या पहनना है यह डिसाइड करने में हमारे सुबह का कीमती समय चला जाता है। जब हम एक रात यह डिसाइड कर लेते हैं कि आपको क्या पहनना है तो हम सुबह का कम से कम 10 मिनट बचा सकते हैं। जब हमें यह पता हो कि हमें क्या पहनना है तो आपका दिमाग फ्री रहता है।

ब्रेकफास्ट में क्या लें, यह उसी समय तय करने में बहुत परेशानी होती है। बेहतर है कि हम संडे को पूरे सप्ताह का ब्रेकफास्ट मेनू तैयार कर लें। एक रात पहले उस ब्रेकफास्ट की जरूरी प्रिपरेशन की जाए। और यही चीज लंच के साथ भी लागू होती है।

इंटरव्यू में झूठ बोले तो.....

अगर आप किसी से पूछें कि जॉब इंटरव्यू में झूठ बोला जा सकता है तो जवाब ना में ही होगा। थोड़े समय के फायदे के लिए अगर आपने अपनी डिग्री, क्वॉलिफिकेशन या एक्सपीरियेंस को लेकर झूठ बोला तो इसका खामियाजा आपको बाद में भुगतना ही पड़ेगा। लेकिन इन इंटरव्यूज में कुछ ग्रे एरियाज होते हैं जहां छोटा-मोटा झूठ या महिमामंडन करना आपको जॉब दिलाने में मददगार साबित हो सकता है। ये ऐसे छह एरियाज हैं जिसमें आप के सच का थोड़ा हेरफेर एम्प्लॉयर्स भी स्वीकार कर लेता है: अधिकांश लोग सैलेरी को लेकर झूठ बोलकर गलती करते हैं। इसलिए यह कभी न करें बल्कि उन्हें आपके पूरे कम्पनसेशन पैकेज की वैल्यू बताएं जिसमें सैलेरी, वैकेशन और अन्य बेनिफिट्स शामिल हैं। और इस अमाउंड में बढ़ोत्तरी की बात करें। अपने टाइटल को लेकर आप हेरफेर कर सकते हैं। आप अपनी वास्तविक जिम्मेदारी के हिसाब से अपने टाइटल को रिफलेक्ट कर सकते हैं।किसी विशेष इंडस्ट्री में आपको बहुत ज्यादा पैशन न हो लेकिन इंटरव्यूअर के सामने पैशन जताने का यह झूठ चलता है।

इंडस्ट्री में जिनसे आप मिलें हों या आपकी बातचीत हुई हो, उनका नाम बता सकते हैं। आपको यहां पूरा विवरण नहीं देना है कि वे शख्स आपके बेस्ट फ्रेंड्स हैं। आपने पिछली कंपनी को छोड़ा है या आप निकाले गए है। अगर पूछा जाए तो इसे लेकर ईमानदार रहें। इसके बाद कोशिश करें कि आपके कंवर्जेशन का फोकस फिर से आपके भविष्य पर हो। आपको तुरंत ही चतुराई से इसे पॉजिटिव मोड में यह कहकर लाना होगा कि आप नए चैलेंज की तलाश में हैं।

केरियर बनाने के लिए ये खूबियां जरूरी है

किसी भी कर्मचारी को हायर करने के लिए एक एम्प्लॉयर उसमें कई तरह के गुण तलाशता है। जानें कौन-से हैं वे पांच गुण, जो आप खुद में विकसित करके अपनी एम्प्लॉयबिलिटी बड़ा सकते हैं...।

क्या आप दि बेस्ट हैं?

आपकी क्वॉलिफिकेशन उस पद के अनुकूल होनी चाहिए, जिसके लिए आपने आवेदन किया है। इंटरव्यूअर के पूछे गए इस प्रश्न के उत्तर को आप अपने अचीवमेंट्स और गोल्स के साथ सपोर्ट कर सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि आपके अलावा भी यहां और उम्मीदवार हैं, जो आपके प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

क्या आप भविष्य के लीडर हैं?

हर कंपनी किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहती है, जिसका फ्यूचर विजन क्लीयर हो। कंपनी हमेशा किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहेगी जो अपने विजन को पूरी प्लानिंग के साथ कंप्लीट कर सके।

आप खुद को कितनी अच्छी तरह से जानते हैं?

यह प्रश्न हर इंटरव्यू में पूछा ही जाता है। इस प्रश्न से इंटरव्यूअर यह जानना चाहता है कि उम्मीदवार कितने व्यवस्थित और संक्षिप्त तरीके से खुद का वर्णन करते हैं। इस जवाब में अपने व्यक्तित्व के हर पहलू को कवर करें।

टीमवर्क : किसी भी उम्मीदवार को नियुक्त करने से पहले एम्प्लॉयर यह जरूर देखता है कि क्या वह उम्मीदवार टीम के साथ कुशलतापूर्वक को-ऑर्डिनेट करके काम कर पाएगा या नहीं। श्रेष्ठ एम्प्लॉई वही होता है, जो अपनी टीम को साथ में लेकर प्रोजेक्ट को पूरा करे।

रिपोर्टिंग मैनेजर से संबंध : अपने मैनेजर को रिपोर्ट करने का मतलब यह नहीं कि आप उनकी हर बात में हां में हां मिलाएं लेकिन इसमें यह चेक किया जाता है कि आप किस तरह से अपने विचार, सुझाव और इनपुट्स उनके सामने रखते हैं। आदर्श उम्मीदवार वही है, जिसे पता होता है कि कौन और क्या सही है।

सेल्फ कॉन्फिडेंस के लिए एक बार ये उपाय अपनाकर देखिए

करियर में सफलता के लिए कठोर परिश्रम और समर्पण बहुत जरूरी है लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है आत्मविश्वास। यह मुश्किल राह को भी आसान बना सकता है। कई बार विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास डगमगा जाता है। मगर यदि आप कुछ सरल बातों का ध्यान रखें, तो हमेशा आत्मविश्वास से भरे रह सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय।

काफी कुछ कहते हैं परिधान : आपके आत्मविश्वास पर ड्रेसिंग सेंस का बहुत प्रभाव पड़ता है। इसलिए आत्मविश्वास बढ़ाने का पहला कदम है, अच्छी तरह तैयार होना। इसका मतलब यह है कि हमेशा ऐसे कपड़े पहनें, जो आप सहजता से कैरी कर सकते हैं।

ध्यान रहे, आप जितने इंप्रेसिव दिखेंगे, आपके सीनियर्स पर आपकी बात का प्रभाव उतना ही ज्यादा होगा।

सोच-समझकर, सही बोलें:

आप जैसे बोलते, बात करते हैं, सुनने वाला भी वैसे ही रिएक्ट करता है। इसलिए जो भी कहें, सोच-समझकर कहें। अपनी बात कहने के लिए सही शब्दों का प्रयोग करें। ऑफिस में मौजूद अपने करीबी दोस्तों से भी ऑफिस में बात करते समय डेकोरम का खयाल रखें। प्रोफेशनल और पर्सनल लेवल पर बातचीत का अंदाज अलग होना चाहिए।

जैसे हैं, वैसे रहें आत्मविश्वास का स्तर बढ़ाने के लिए यह सबसे जरूरी बात है। कुछ लोग सीनियर्स को इंप्रेस करने के लिए ऑफिस में मौजूद स्मार्ट लोगों की तरह बनने की कोशिश करने लगते हैं। इससे उनके अंदर मौजूद गुण सबके सामने आ ही नहीं पाते। इसलिए आप जैसे हैं, वैसे ही रहें। अपनी खूबियों को हमेशा अच्छी तरह से प्रेजेंट करें और खामियों को कम करने की कोशिश करें।

ना कहना सीखें : वर्कप्लेस पर दूसरों की मदद करना बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसके चक्कर में अपना नुकसान करना अक्लमंदी का काम बिल्कुल नहीं है। कई लोग खुलकर किसी काम को मना नहीं कर पाते, जिससे उन्हें बार-बार ऐसी चीजों से दो-चार होना पड़ता है, जो उनके आत्मविश्वास को गिरा देती हैं। ऐसे में हमेशा उन चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, जो आपको पसंद नहीं या फिर आपके लिए गैर-जरूरी हैं।

सकारात्मक सोचें, सकारात्मक करें : आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है। एक सकारात्मक मस्तिष्क न सिर्फ हर परिस्थिति में बेहतर परफॉर्म करता है। बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का जरिया बन जाता है। जब आप हमेशा सकारात्मक सोचेंगे, तो उसका असर आपके व्यक्तित्व पर भी पड़ेगा और आपके आत्मविश्वास का स्तर खुद-ब-खुद बड़ता जाएगा

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

आपके पास कितनी आंखें हैं?

संहारक के तौर पर शिव के पास तीन आंखें हैं, लेकिन असुरों के गुरु शुक्राचार्य के पास एक ही आंख है। पुराणों के अनुसार एक आंख धारण करने वाले ज्यादा रचनात्मक और अंतरज्ञानी माने जाते हैं, लेकिन साथ ही उनमें तर्कसंगतता का अभाव होता है।

यदि स्त्री आपके साथ है तो आप तीन आंखों वाले शिव हैं। स्त्री के बिना हालांकि आप दो आंखों वाले कामदेव नजर आते हैं, किंतु हकीकत में आप एक आंख वाले शुक्राचार्य ही हुआ करते हैं।

प्रसिद्ध विदूषक तेनालीराम ने ऐसा कहा है या उनके माध्यम से ऐसा कहा गया है। अब चाहें तो इसे एक आंख वाले के लिए प्रशंसा कह सकते हैं या फिर अपमान, इस मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं होता है। पुराणों में संहारक के तौर पर शिव के पास तीन आंखें हैं, लेकिन असुरों के गुरु शुक्राचार्य के पास एक ही आंख है।

पुराणों के अनुसार एक आंख धारण करने वाले ज्यादा रचनात्मक और अंतरज्ञानी माने जाते हैं, लेकिन साथ ही उनमें तर्कसंगतता का अभाव होता है। दो आंखें संतुलन की, जबकि तीन आंखें अंतरप्रज्ञा की प्रतीक हैं। तीन आंखों वाला दूसरों से ज्यादा देख सकता है, वह दूसरों के दिल...दिमाग में झांक सकता है। तो हमारे पास असल में कितनी आंखें हैं- एक, दो या फिर तीन?

जब असुरों के राजा बलि के राज्य-विस्तार से डरकर इंद्र ने विष्णु से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया तो विष्णु ने वामन अवतार धारण किया और राजा बलि से भूमि का दान चाहा। शुक्राचार्य यह जान गए थे कि वामन असल में कोई और नहीं स्वयं भगवान विष्णु हैं। तो शुक्राचार्य ने बलि को भूमि दान करने से रोकने का प्रयास किया।

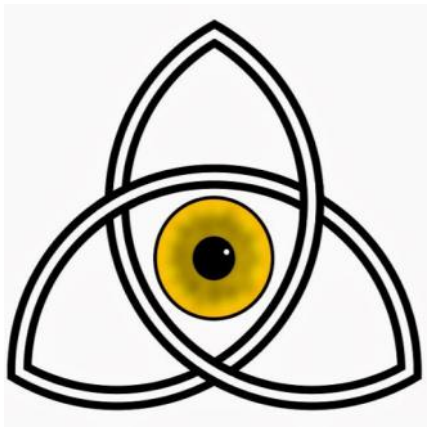

उसके लिए वे सूक्ष्म रूप लेकर उस कमंडल में उतर गए, जिससे पानी लेकर वे वामन को भूमि दान करने वाले थे।

विष्णु ने शुक्राचार्य की चाल भांप ली और उन्होंने घास का तिनका कमंडल की नली में डाला जो शुक्राचार्य की आंख में गया और उनकी आंख चली गई। देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर के बारे में भी

मान्यता है कि उनके पास भी एक ही आंख है। मान्यता है कि एक बार कुबेर ने शिव को चुनौती दी थी कि वे धन से कुछ भी कर सकते हैं, तो देवी भगवती ने उनकी एक आंख नोच ली और कहा कि अब इसे बदलकर दिखाएं। कुबेर को सबक मिला और उन्होंने उस उस जगह सोने की आंख लगाई।

तभी से वे उन्हें पिंगलक्ष्या भी कहा जाता है, वे जिनकी आंखें पीली हैं या सोने की हैं। एक दूसरी कथा के अनुसार कुबेर ने दावा किया कि शिव के प्रति उनका प्रेम पार्वती की तुलना में ज्यादा है। क्रोधित होकर शक्ति ने उनकी आंख नोच ली। जब शिव अपनी दो आंखों को बंद कर तीसरी खोलते हैं तो माना जाता है कि वे बहुत क्रोधित हैं। ऐसे में ही उन्होंने कामदेव को भस्म किया था। जब शक्ति उनके समक्ष आई तो वे एकदम मंत्रमुग्ध और शांत हो गए और उन्होंने अपनी तीनों आंखें खोल लीं। कुछ दूसरी कथाओं में उन्होंने अपने सिर बड़ा लिए ताकि वे देवी को 10 आंखों से देख सकें। वेदों में वरुण को हजार आंखों वाले देवता माना गया है। जो इंसान के कर्मों पर नजर रखता है और जो अपना संकल्प पूरा नहीं करता उनको दंड देता है।

पुराणों में इंद्र की 100 आंखें बताई गई हैं। कहानी के अनुसार जब गौतम ऋषि ने इंद्र को अहल्या के साथ देखा था तो उन्होंने इंद्र की पूरी देह में योनिमुख होने का श्राप दिया। बाद में ये आंखों में तब्दील हो गईं। सौ आंखें, प्रतीक हैं, जो वासनात्मक इच्छाओं पर नजर रखती हैं।

ग्रीक पौराणिकता में सायक्लोप्स के पास एक आंख है। वे गिया और उरनस के कुरुप बच्चे हैं, जिन्हें टीटान और टारटरस ने कैद कर रखा था। जब तक कि ज्यूस उन्हें आजाद नहीं करवा लेता। इसी तरह कहीं-कहीं साइक्लोप्स एक खतरनाक नरभक्षी है जिसे ओडिसिस ने अंधा कर दिया है। ग्रीक पौराणिकता में तीन जादूगरनियों की भी कथा है, जो एक ही आंख से अपना काम चलाती हैं। वे नायक परसियस को बताती है कि कैसे वह खतरनाक मेडुसा को ढूंढे और उसे हराए।

नॉर्स की पौराणिकता में ओडिन अपनी एक आंख मिमिर के ज्ञान के कुएं से पानी पीने के लिए त्याग देता है। ईजिप्ट की पौराणिकता में ओसीरिस के ताज को जीतने के लिए होरूस की आंख में छेद कर दिया और इसे ही बाद में ईजिप्ट की आंख के तौर पर जाना जाने लगा। तो हमें चाहे एक दिखे या दो... या फिर तीन... लेकिन आंखें इससे कहीं ज्यादा होती हैं।

जब जरासंध न समझ पाया श्रीकृष्ण की युद्ध नीति

भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यरूप से युवावस्था तक कई लीलाएं करते हुए तृणावर्ण, पूतना, अघासुर, अरिष्टासुर, केशी, व्योमासुर, चाणूर, मुष्टिक तथा कंस जैसे दुष्ट दैत्यों और राक्षसों का वध कर डाला था। यानी बचपन से ही कृष्ण युद्ध नीति के अद्वितीय योद्धा थे। उन्होंने जरासंध जैसे वीर को कई बार बुद्धि और विवेक के बल पर हराया था।

कौन था जरासंध

द्वापर युग में एक राजा के यहां ऐसा बालक हुआ, जिसका शरीर दो भागों में बंटा हुआ था। राजा ने अशुभ मानकर उसे नगर के बाहर फिंकवा दिया लेकिन जरा नाम की राक्षसी ने इस बच्चे को जादू से जोड़ा और फिर उसी राजा को वापिस सौंप दिया। यही बालक बड़ा होकर जरासंध कहलाया।

जरासंध था श्रीकृष्ण का रिश्तेदार

जरासंध एक बहादुर योद्धा था। वह महत्वाकांक्षी भी था। उसने अपनी दो बेटियों की शादी कंस से की थी। वह श्रीकृष्ण का रिश्तेदार भी था। जब श्रीकृष्ण ने कंस का संहार कर दिया तब जरासंध ने मथुरा पर जीतने की योजना बनाई। लेकिन उस समय बलराम(श्रीकृष्ण के बड़े भाई) और कृष्ण मथुरा से कूच कर गए।

जरासंध को खाली शहर मिला, तब उसने शहर में आग लगा दी। कृष्ण की यह एक युद्ध नीति थी, जिसकी योजना उन्होनें पहले ही बना चुके थे। ठीक इसी तरह, जरासंध रुक्मणी के भाई रुक्मी के अपनी साथ मिलाना चाहता था। इसलिए उसने रुक्मणी का विवाह शिशुपाल से करवाना चाहा। लेकिन श्रीकृष्ण ने रुक्मणी के बुलाने पर उनका हरण कर लिया।

इसके बाद उसने अपने पौत्र की शादी द्रौपदी से करवाने की युक्ति सोची। द्रौपदी का स्वयंवर होने वाला था। जरासंध चाहता था कि द्रौपदी के पिता राजा द्रुपद उसके सहयोगी बन जाएं तो उसे लाभ होगा। द्रुपद के पास एक विशाल सेना थी, और इस तरह वह भारत वर्ष के एक दूसरे इलाके पर नियंत्रण पा सकता था।

तब उसने कर्ण के विवाह का द्रोपदी से करने के प्रस्ताव द्रुपद को भेजा। कर्ण निम्न जाति के थे। वहीं अज्ञातवास व्यतीत कर रहे ब्रह्मण पुत्रों के रूप में अर्जुन, श्रीकृष्ण के कहने पर ही द्रौपदी के स्वयंवर में पहुंचे।

चाणक्य नीति

वर्तमान में जियें, भविष्य उज्जवल होगा

व्यक्ति अपने व्यवहार के कारण ही पूज्य होता है, यदि उसे कभी विषम परिस्थितियों में ऐसे काम करना पड़े, तब उसे ऐसी दौलत त्याग देनी चाहिए। चाणक्य ने ऐसी और भी कई बातों का उल्लेख चाणक्य नीति में किया है।

चाणक्य कहते हैं...

दौलत, मित्र, पत्नी और राज्य यदि चला जाए तो वापिस आ सकता है। लेकिन आपकी काया एक बार चली जाए, फिर वापिस नहीं आती है।

ऐसी दौलत किस काम की जो कठोर यातना, सदाचार का त्याग कर अर्जित करना पड़े।

जो बीत गया उस पर न पछताएं, भविष्य की चिंता भी न करें। वर्तमान में जियें भविष्य हमेशा उज्जवल होगा।

हमारे शास्त्र ज्ञान के भंडार हैं। इनसे हम अनंत कलाएं सीख सकते हैं। हमारे पास समय भी बहुत कम है और उसमें भी विघ्न-बाधाएं दस्तक देती रहती हैं। इसीलिए वही सीखें जो अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमें शास्त्रों में से सार ग्रहण करना चाहिए।

जो व्यक्ति राजा से, अग्नि से, धर्म गुरु से, और स्त्री से परिचय अधिक बड़ाता है। वह विनाश को प्राप्त होता है। इसलिए इन लोगों से अंतर बनाए रखना चाहिए।

क्रमशः इन पांच बातों को करते या करने के बाद अभिमान नहीं करना चाहिए। वो हैं, परोपकार, आत्म संयम, शास्त्र का ज्ञान, विनम्रता और पराक्रम।

ये आठ लोग कभी किसी का दुःख नहीं समझ सकते हैं।

1. राजा 2. वेश्या 3. यमराज 4. अग्नि 5. चोर 6. छोटा बच्चा 7. भिखारी 8. कर वसूल करने वाला व्यक्ति।

शास्त्री बने टीम के कोच, जहीर पर बॉलिंग का जिम्मा तो द्रविड़ को ये खास जिम्मा

मुम्बई। क्रिकेट प्रेमियों को लंबे समय से टीम इंडिया के नए कोच का इंतजार था. अनिल कुंबले ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद कोच पद से इस्तीफा दे दिया था. उसके 20 दिन बाद मंगलवार रात को टीम इंडिया को आखिरकार नया कोच मिल गया. रवि शास्त्री को टीम इंडिया का मुख्य कोच बनाया गया है, जबकि जहीर खान को बॉलिंग कोच चुना गया है. इसके अलावा विदेशी दौरों पर राहुल द्रविड टीम के बैटिंग कोच होंगे. तीनों कोच श्रीलंका दौरे से टीम से जुड़ जाएंगे और वर्ल्ड कप 2019 तक टीम के साथ रहेंगे. शास्त्री को विरेंद्र सहवाग से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन आखिरकार उन्हें ही इस पद की जिम्मेदारी मिली. सोमवार को सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और सचिन तेंदुलकर की सलाहकार समिति ने सभी 5 कैंडिडेट्स का इंटरव्यू लिया था. सोमवार को सौरव गांगुली ने कहा था कि कोच के लिए प्रक्रिया पूरी हो गई है. कोहली से बात कर कोच का ऐलान कर दिया जाएगा. तब खबरें आई थीं कि कोच पद के लिए सचिन तेंदुलकर रवि शास्त्री को तवज्जो दे रहे हैं, तो वहीं वीरेंद्र सहवाग के साथ सौरव गांगुली का सपोर्ट है.

रवि शास्त्री 2014 में इंग्लैंड से 1-3 से सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया के डायरेक्टर बने थे. इसके बाद अचानक ही टीम का भाग्य बदल गया. शास्त्री के मार्गदर्शन में भारत ने 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर वनडे सीरीज जीती. शास्त्री ने टीम को वर्ल्ड कप 2015 के सेमीफाइनल तक पहुंचाया. टीम इंडिया मार्च 2016 में टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक भी पहुंची. बाद में शास्त्री को हटाकर अनिल कुंबले को टीम का कोच बनाया गया.

कोहली ने की थी शास्त्री का

इंटरव्यू लेने की रिक्वेस्ट

आपको बता दें कि रवि शास्त्री कप्तान विराट कोहली की हमेशा से पसंद रहे हैं. खबरें भी आईं थीं कि 23 मई को टीम के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड रवाना होने से पहले कोहली ने तीन सदस्यीय अडवाइजरी कमिटी के दो सदस्यों सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण से मिलकर रवि शास्त्री के नाम पर विचार करने की बात कही थी. कोहली ने दोनों से शास्त्री को इंटरव्यू के लिए बुलाने का भी आग्रह किया था.

शास्त्री ने कहा था गारंटी मिलने पर ही करूंगा अप्लाई

आपको बता दें कि रवि शास्त्री ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अगर उन्हें गारंटी दी जाती है कि टीम इंडिया के मुख्य कोच की नौकरी उन्हें ही सौंपी जाएगी, उसी सूरत में ही वो आवेदन करेंगे. शास्त्री ने कहा था कोच पद के लिए कतार में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं है.

पांच लोगों का हुआ इंटरव्यू

सोमवार को क्रिकेट एडवायजरी कमिटी के साथ अमिताभ चौधरी और बीसीसीआई के सीईओ राहुल जौहरी भी कोच पद के उम्मीदवारों के इंटरव्यू के दौरान बैठे थे. इस दौरान पांच उम्मीदवारों का इंटरव्यू हुआ. सचिन तेंदुलकर लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे, तो सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण मुंबई में थे. पांच उम्मीदवारों रवि शास्त्री, रिचर्ड पाइबस, टॉम मूडी, वीरेंद्र सहवाग और फिल सिमंस इंटरव्यू के लिए पहुंचे.

इंटरव्यू के बाद सीएसी कमेटी और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि सभी उम्मीदवारों का प्रजेंटेशन बढ़िया रहा, लेकिन कुछ भी नया नहीं था. गौरतलब है कि इन पांच नामों में से रवि शास्त्री और टॉम मूडी एक साल पहले भी टीम इंडिया के पूर्व कोच अनिल कुंबले के साथ इंटरव्यू दे चुके हैं. उस समय क्रिकेट एडवायजरी कमिटी ने रवि शास्त्री और टॉम मूडी को खारिज कर अनिल कुंबले को टीम इंडिया का कोच चुना था.

जोकोविच नौवीं बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में, वीनस सेमीफाइनल में पहुंची

मुम्बई। कंधे के दर्द से जूझने के बावजूद मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को फ्रांस के एड्रियन मानेरिनो को सीधे सेटों में हराकर नौवीं बार विंबलडन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि वीनस विलियम्स और गरबाइन मुगुरूजा महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। पिछले कुछ समय से खराब फार्म से जूझ रहे दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने मानेरिनो को 6-2, 7-6, 6-4 से हराया लेकिन इस बीच उन्हें तीसरे सेट के पांचवें गेम में उपचार लेना पड़ा। कंधे में दर्द के कारण ही उन्हें 4-3 के स्कोर पर मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा था। पहले सेट में भी शुरूआती तीन गेम के बाद उन्होंने चिकित्सक की मदद ली थी। यह मैच पहले सोमवार को होना था लेकिन दूसरे मैचों के लंबे खिंच जाने के कारण आयोजकों ने इसे मंगलवार के लिये टाल दिया था। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टामस बिंडच से भिड़ेगा। ग्यारहवीं वरीयता प्राप्त बिंडच ने सोमवार चौथे दौर के मुकाबले में आठवें वरीय डोमीनिक थिएम को 6-3, 6-7, 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। जोकोविच और बिंडच के बीच अब तक 27 मैच खेले गये हैं जिनमें से सिंबयाई खिलाड़ी ने 25 में जीत दर्ज की है। दूसरी तरफ वीनस विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पिछले 23 साल में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। पांच बार की चैंपियन वीनस ने फ्रेंच ओपन विजेता येलेना ओस्टापेंको को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया। वीनस ने क्वार्टर फाइनल में 73 मिनट में जीत दर्ज की। सैंतीस बरस की वीनस 1994 में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे अधिक उम्र की महिला खिलाड़ी हैं।

आठ बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाने वाली अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी गुरूवार को होने वाले सेमीफाइनल में ब्रिटेन की योहाना कोंटा और रोमानिया की सिमोना हालेप के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी वीनस 2008 में विंबलडन के बाद पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के लिए दावेदारी पेश कर रही है। दूसरी तरफ मुगुरूजा को रूस की सातवीं वरीय स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा के खिलाफ बिलकुल भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। मुगुरूजा ने सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)